A–0450

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MASL–507

M.A. Sanskrit (MASL)

भारतीय दर्शन भाग-02

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. प्रमाण चतुष्टय का वर्णन कीजिए।
2. चार्वाक दर्शन को स्पष्ट करते हुए वेद, उपनिषद् एवं रसेश्वर दर्शन में चार्वाक दर्शन की उपस्थिति का उल्लेख कीजिए।
3. न्याय दर्शन के अनुसार सोलह पदार्थों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

4. जैन दर्शन का परिचय प्रस्तुत करते हुए जैन साहित्य के काल का विवेचन कीजिए।

5. जैन दर्शन के कुछ प्रसिद्ध दार्शनिकों का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. परार्थानुमान का लक्षण एवं उदाहरण विवेचना कीजिए।

2. प्रमाण चतुष्टय का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

3. व्याप्ति को परिभाषित करते हुए उसके भेद बताइए।

4. चार्वाक दर्शन के अनुसार आत्मा के स्वरुप का वर्णन कीजिए।

5. अनुमान प्रमाण की व्याख्या कीजिए।

6. प्रमेय के भेदों का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

तर्कभाषा के अनुसार हेत्वताभास की विवेचना कीजिए।

7. जैन दर्शन में बन्धन के स्वरूप को स्पष्ट करें।

8. सप्तभंगीनय की सोदाहरण व्याख्या करें।

****